

















**सेवा, विकास और विश्वास**

**सेना गजेंद्र भाटी** पूर्व नगरपालिका चेयरमैन, खोड़ा



कॉन्सेप्ट  
**दीपक भाटी**



डिजाइन  
**नटेश शर्मा**



शहर विधानसभा  
**उपचुनाव**

**कुर्सी स्वयंवर**  
**धूम मचा दे - टिकट करा दे**

Episode 1

गाजियाबाद के आसमान में अचानक आकाशवाणी होती है। जिसमें विधानसभा उपचुनाव की घोषणा का उद्घोष होता है।

**SCENE 1**

**आकाशवाणी**

आकाशवाणी : मेरे भाजपा वालो! समय आ गया है, अब पूरी ताकत से टिकट मांगने का। जो टिकट लेने में कामयाब होगा, वो प्रदेश सरकार में मंत्री और 2029 में सांसद बनेगा। लगा दो सभी जोर।

**SCENE 4**

मिठल-सिंघल की मुनादी के बाद शहर में टिकट स्वयंवर की तैयारी को लेकर चर्चाएं उफान पर आ जाती हैं। (वार्ता एक)

**पहलवान का दोस्त**

**पहलवान**

(1) संजीव शर्मा (भगवा कंबांडर) : पहलवान जी, आपको क्या लगता है। मैं सांसद जी की मायावी कुर्सी तोड़ दूंगा?

(2) पप्पू पहलवान : मेरे ड्रज जैसे मित्र! सांसद जी का सॉफ्ट कॉर्नर आपके लिए रहता है। देखना कुर्सी में भी कोई सॉफ्ट कॉर्नर होगा। बस जैसे ही वो मिलें, दैसे ही कुर्सी की खाट खड़ी कर देना।

**SCENE 4**

(वार्ता चार)

(2) सुनील यादव : सुरेंद्र भाई, आप तो जानते ही हो। सांसद जी को परीक्षा लेने की आदत है। मैं तो विधानसभा चुनाव से उन्हें परीक्षा दे रहा हूँ। ये स्वयंवर और सही।

(1) सुरेंद्र नागर : सुनील भाई, माय रेड फेसमेन! सांसद जी ने ये टीक नही किया। अबकी बार लाइन पार के किसी चेहरे को टिकट दे देते। आखिर कुर्सी का स्वयंवर रखने की जरूरत ही क्या थी।

(3) गौरव चोपड़ा : मेरे ओबीसी भाइयो! मैंने एक इतिहास की किताब में पढ़ा है कि कलचुग में टिकट को लेकर स्वयंवर होगा। जिसमें कुर्सी को तोड़ना होगा। ये कुर्सी पंजाबी समाज का कोई वरिष्ठ दावेदार तोड़ेगा। मुझे कुछ-कुछ याद आ रहा है।

**SCENE 2**

वहीं आकाशवाणी की घोषणा सुनकर प्रतिनिधि राजेंद्र मिठल मैदी, सांसद अतुल गर्ग के पास पहुंचते हैं।

(1) राजेंद्र मिठल : बाहुबलियों को धस्त करने वाले महाबली हमारे सांसद जी को प्रणाम! हुजूर आपकी जानकारी में लाना चाहता हूँ कि विधानसभा उपचुनाव की आकाशवाणी मंत्री और सांसद के ऑफर के साथ हो चुकी है। सांसद जी आगामी दिशानिर्देश क्या हैं?

(2) अतुल गर्ग : मैदी जी, इस आकाशवाणी के बाद अब दावेदार काफी सक्रिय हो जाएंगे। हमें शक्ति प्रदर्शन की व्यवस्था करनी होगी। एक काम करो। टिकट स्वयंवर आयोजित करो। जो योद्धा (दावेदार), मेरी शक्तियों से अर्जित कुर्सी तोड़ देगा, उसको टिकट दे दिया जाएगा।

**SCENE 4**

(वार्ता दो)

(1) रोबिन सांगवान : शुक्लाजी, वक्त आ गया है। स्वयंवर में भाग लो। अपनी संघीय शक्तियों का इस्तेमाल करके मायावी कुर्सी के साथ किसी का घमंड भी तोड़ दो।

(2) केके शुकला : खेल को ज्यादा नॉर्मल मत लो सांगवान। वो अतुल जी की मायावी कुर्सी है। वो आसानी से नहीं टूटेगी।

**SCENE 5**

इन सभी चर्चाओं की बीच सभी विधायक सांसद अतुल गर्ग के पास अपना विरोध प्रकट करने पहुंचते हैं। आपसी बातचीत के बाद अंत में सहमति बन जाती है।

(1) सुनील शर्मा : सांसद जी, स्वयंवर से कमीटिशन बढ़ेगा। आपसी सहमति से टिकट फाइनल करा लेंगे।

(3) नरेंद्र करण्य मंत्री : अतुल जी की बात से मैं सहमत हूँ।

(5) अजित पातल : वैसे स्वयंवर में मजा भी आएगा। जादुई कुर्सी कौन तोड़ेगा...कितना रोमांचक सीना होगा।

(2) अतुल गर्ग : मेरे साथियों, मैं आपकी भावनाओं की कद करता हूँ। स्वयंवर कराने से हम सबकी निष्पक्षता बनी रहेगी। हमने किसी का एकरफा पक्ष लिया। ऐसे आरोपों से हमें कुर्सी का स्वयंवर ही बचा सकता है।

(4) नंदकिशोर गुर्जर : एक स्वयंवर पुलिस वाले का भी करा तो सांसद जी।

**SCENE 3**

सांसद अतुल गर्ग से आदेश मिलते ही राजेंद्र मिठल मैदी अपने प्रिय अनुज मिठल और दिवाकर सिंघल को मुनादी के काम में लगा देते हैं।

**मुनादी के आदी**

(1) अनुज मिठल : सुनो, सुनो...भगवा दावेदारो सुनो! आकाशवाणी की गंभीरता को देखते हुए सांसद जी ने टिकट स्वयंवर आयोजित किया है। जो भी दावेदार टिकट चाहता है, उसे सांसद जी की मायावी कुर्सी स्वयंवर में आकर तोड़नी होगी।

(2) दिवाकर सिंघल : अब से ठीक एक सप्ताह बाद टिकट स्वयंवर आयोजित होगा। स्वयंवर में शामिल होने वाले का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है।

**SCENE 4**

(वार्ता तीन)

(1) मयंक गोयल : अजय शर्मा जी, मैं तो टिकट स्वयंवर में भाग लूंगा। साथ ही जीतकर भी आऊंगा। अब भी एक सप्ताह पड़ा है। इस मायावी कुर्सी को तो मैं अपनी ब्रह्मांडीय शक्तियों का प्रयोग करके तोड़ दूंगा।

(2) अजय शर्मा : मयंक भाई, कुर्सी तोड़ने की तो मुझमें भी पूरी ताकत है। मगर इस गेम में हमें पहलवान और पहलवान की दोस्त पर नजर रखनी होगी। पता चले अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों सांसद जी से कुर्सी तोड़ने का सूत्र ले आए।

**SCENE 6**

**एंकर (दीपक भाटी) :** आकाशवाणी होने के बाद अब विधानसभा उपचुनाव के लिए कुर्सी तोड़ स्वयंवर एक सप्ताह बाद होगा। सांसद अतुल गर्ग की इस घोषणा के बाद दावेदारों के बीच सरगमियां तेज हो गई हैं। कौन तोड़ेगा उनकी मायावी कुर्सी? कौन बनागा मंत्री और 2029 में सांसद। ये देखना बाकी है।

कहानी आने वाले समय में और भी रोचक होगी। इसलिए पढ़ते रहिए अपना पसंदीदा नंबर वन अखबार दैनिक करंट क्राइम। पिकचर अभी बाकी है मेरे दोस्त....!

नोट : दैनिक करंट कॉमिक की ये सीरीज पूरी तरह से हमारी कल्पना पर आधारित है। पोलिटिकल किरदारों के साथ लिए गए शब्द हमारी काल्पनिकता के आधार पर लिखे गए हैं।